Shree Ram Sharnam,
International Spiritual Centre
8A, Ring Road, Lajpat Nagar - IV,
New Delhi - 110 024, INDIA

राम रंग लागा हरि रंग लागा
लाली मेरे लाल की जित देखूं तित लाल,
लाली देखण मैं गई खुद भी हो गई लाल॥

राम रंग लागा हरि रंग लागा मोहे,
मनवा का भरम सब भागा॥

जब मैं रहती अनहत वाणी, तब पिया सुख हो ना बोले।
जब मैं भईला राख बराबर, साहिब अंतर बोले।
सहजरिया सुख देखे ॥
राम रंग लागा . . .

रोम रोम प्यारे की रतियाँ, प्रेम से प्याला पीजा॥
सांचे मन से साहिब मेरे, झूठे मन से भागा॥
राम रंग लागा . . .

हरि जन से हरि ऐसे मिलते, कंचन संग सुहागा।
लोक लाज कुल की मर्यादा, तोड़ दिया सब धागा।
कहत कबीर सुनो भई साधो, भाग हमारा जागा॥
राम रंग लागा . . .